



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

देहरादून, सोमवार, 08 जनवरी, 2025 ई०

षीष 18, 1948 शक सम्वत्

उत्तराखण्ड शासन

सजस्व अनुभाग-3

संख्या 11/XVIII(3)/2025-02(01)2025

देहरादून, 08 जनवरी, 2025

जनपद टिहरी गढ़वाल के अन्तर्गत तहसील टिहरी के 09 ग्रामों रकबा 4.968 हे० भूमि का कोटी कॉलोनी से डोबरा चांटी (पर्यटन रोड) (15.770 कि०मी०) तक मोटर निर्माण हेतु अर्जित प्रस्ताव हेतु मू-अर्जन अधिनियम, 2013 की धारा-11 की प्रारम्भिक अधिसूचना

भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013

प्रारम्भ—II

[नियम 5(i) देखें]

प्रारम्भिक अधिसूचना

संख्या--1129/8-वि0म0अ0अ0/टिहरी गढ़वाल/2024 दिनांक 31 दिसम्बर, 2024

परिचोदना का गम :- दूरिज्म रोड कोटी कालोनी से डोंबरा बांटी (15.770 कि०मी०) तक मोटर मार्ग निर्माण।

राष्ट्रिय समुचित सरकार को ऐतद प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजन के लिए दूरिज्म रोड कोटी कालोनी से डोंबरा बांटी (15.770 कि०मी०) तक मोटर मार्ग निर्माण हेतु तहसील टिहरी की नियमानुसार 4.968 हे० भूमि अधिलेखित है, अर्थात् जिसका भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (2013 का 30) तथा उत्तराखण्ड भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम (प्रतिकर पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन विकास योजना) नियमावली 2016 के तहत किया जाना है कि प्रारम्भिक अधिसूचना निम्नवत् की जाती है। ज्ञात की अधिसूचना दिनांक 09.02.2016 के तहत में प्रकाशित सुट्टियों के पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजन हेतु प्रशासक के रूप में अपर जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल को दिनांक 13.09.2024 को नियुक्त किया गया है। जनपद में प्रभावित ग्रामों की प्रारम्भिक अधिसूचना निम्नवत् है:-

जनपद-टिहरी गढ़वाल		तहसील-टिहरी	
क्र०सं०	ग्राम का नाम	कुल अर्जित खसरा नम्बरान	कुल रकबा (है० मी०)
1.	बास	88	0.799
2.	जाल लगा ज्यूदावा	32	0.485
3.	जरपुर	13	0.174
4.	पालीवक	14	0.238
5.	रामगाँव	76	1.810
6.	रिखड़गाँव	99	0.258
7.	भरोसा	20	0.448
8.	हड़गरी	1	0.050
9.	मलस	35	0.906
कुल योग		277	4.968 हे०

दूरिज्म रोड कोटी कालोनी से डोंबरा बांटी (15.770 कि०मी०) तक मोटर मार्ग निर्माण हेतु उपरोक्त अधिनियम 2013 तथा उत्तराखण्ड सामाजिक समाचार अध्यायन नियमवली 2016 के तहत जनपद टिहरी गढ़वाल के अन्तर्गत कुल 09 ग्राम (तहसील-टिहरी) में अर्जित की जाने वाली नाप भूमि अर्जन हेतु सामाजिक समाचार अध्यायन चयनित एजेन्सी कुलपति, श्राफिक एस विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा पूर्ण किया गया है। दिनांक 28.12.2024 को चयन सुनवाई पूर्ण की गई तथा दिनांक 30.12.2024 को मुख्य विकास अधिकारी, टिहरी गढ़वाल की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा सामाजिक समाचार अध्यायन रिपोर्ट का भूव्यापक किया गया है, जिसके तहत निम्न निम्नवत् है :-

सामाजिक समाघात प्रबंध योजना का मूल्यांकन

जनपद टिहरी गढ़वाल के अन्तर्गत कौटी कातोनी से डोंबरा तक मोटर मार्ग (पर्यटन मार्ग) लम्बाई 15.770 किमी. में मोटर मार्ग चीड़ीकरण कार्य के लिए जास, जास लगा जूटासू, जसपुर, फलौवक, रमगाँव, शिवाडगाँव, मरोड़ा, हड़नी और फलास गाँव की 4.968 हेक्टेयर अतिरिक्त नया भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। इस अधिग्रहण क्षेत्र में कुछ मकान, दुकानें, वृक्ष और पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधा प्रदान करने वाले होम स्टे जैसे घरेलू उद्योग भी संभावित हो रहे हैं। भूमि के अधिग्रहण से इन गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए यह आवश्यक है कि

1. प्रभावित परिवारों को समुचित मुआवजा उत्तराखंड भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शित अधिकार (सामाजिक समाघात और सहमति) नियम 2015 के अनुसार उचित मुआवजा प्रदान किया जाना चाहिए। यह मुआवजा उनकी भूमि और आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखकर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही प्रभावित परिवारों को नये विकसित मार्ग और झील क्षेत्र में पर्यटन विकास से जोड़कर उनके लिए आय के नये स्रोत विकसित किये जायें।
2. प्रभावित परिवारों को रोजगार के लिए वैकल्पिक स्थान और संसाधन उपलब्ध कराये जायें, जिससे वे नये व्यवसाय या कार्य शुरू करके आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकें।
3. प्रभावित परिवारों को आय के नये स्रोत उपलब्ध कराने के लिए नये पर्यटन मार्ग और झील क्षेत्र में पर्यटन स्थलों पर टुकस, रेस्टोरेट, होटल आदि के संवाहन के लिए स्थान का आवंटन किया जायें।
4. प्रभावित परिवारों को रोजगार के नये अवसर उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन सत्रों पर पकिंग, नौकापन और टूरिस्ट गाइड जैसी सेवाओं से जोड़ने के लिए ताल्लुस प्रदान किये जायें।
5. यदि संभव हो तो प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजे के साथ ही सुख, श्रु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के तहत अपने कार्य शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता और अनुदान (सब्सिडी) प्रदान की जायें।
6. झील क्षेत्र में पर्यटकों को संरक्षित रखने के लिए प्रभावित ग्रामीणों को पर्यटन अनुकूल व्यवसायों के लिए अवसर प्रदान किये जायें।
7. स्थानीय शिल्प को बढ़ावा देने के लिए स्थल विकसित करने के साथ ही सामुदायिक पार्क और सांस्कृतिक केंद्र विकसित किये जायें।

अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के साथ ही यह समग्र योजना इस क्षेत्र के बहुआयामी विकास और समृद्धि को सुनिश्चित करेगी।

विभिन्न प्रक्रियाओं में लगने वाली समय सीमा को न्यून करने और परियोजना की गतिविधियों में शरद्विज्ञता संरक्षित करने के लिए एनर के अनुरूप सहमति के आधार पर प्रतिकर निर्धारण किये जाने की कल्पनाओं संड स्तर पर प्रतिमान है। प्रतिन्यवियों की न्यूनतम क्षति को दृष्टिगत रखते हुए प्रतावित मार्ग के समरेखण में अधिक सुधार किये गये हैं।

जिन ग्रामस्थाओं में बहुत कम क्षेत्रफल में भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, लेकिन भूमि के स्वामी ग्रामीणों की संख्या अधिक है, ऐसे प्रकरणों में अनावश्यक विवादों और कठिनाइयों से बचने के लिए आवश्यक है कि

- मुआवजे का पारदर्श और न्यायसंगत विवरण सुनिश्चित किया जायें।
- प्रभावित परिवारों से संवाद करते उन्हें प्रत्यक्ष और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जायें।
- छोटे हिस्सों के लिए उचित एकमुष्ट मुआवजे के प्रस्ताव दिये जा सकतें हैं ताकि विवादों से बचा जा सके।
- यदि संभव हो तो प्रभावित ग्रामीणों को आय के वैकल्पिक संसाधन प्रदान किये जायें। जैसे नौकरियाँ, व्यवसाय स्थल, प्रशिक्षण, ताल्लुस आदि।

सफल परिणामों का दृष्टिकोण

1. टिहरी जनपद में जास-डोंबरा पर्यटन मार्ग (मोटर मार्ग) के चीड़ीकरण और विकसित करने के लिए नौ गांवों में भूमि के अधिग्रहण से ग्रामीणों पर होने वाले सामाजिक और आर्थिक समाघात को खल करना या खलपन की सीमा तक न्यून करना।
2. उत्तराखंड भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार (सामाजिक समाघात और सहमति) नियम 2015 के प्रवधानों के अन्तर्गत कार्यावली करना।
3. जास- डोंबरा मोटर रोड (पर्यटन मार्ग) परियोजना के समकालों के रूप में नकारात्मक प्रभावों को न्यूनतम करके सकारात्मक परिणाम सुनिश्चित करना।
4. प्रभावित ग्रामीणों से सामूहिक और व्यक्तिगत विवादों के आधार पर न्यायसंगत समाधान प्रदान करना।

यह प्रबंध योजना तैयार करने के लिए व्यापक सर्वेक्षण ग्रामीणों से विवादों को प्राथमिकता दी गई है, ताकि प्रभावित लोगों के हितों की रक्षा हो सके और सड़क परियोजना को सुचारु रूपसे लागू किया जा सके।

क्षमाघात से बचने, कम करने और प्रतिपूरित करने के उपाय

जीविका पर समाधान का प्रबंधन-

1. ग्रामीणों को उनके परम्परीक व्यवस्थापन या भूमि के एक हिस्से का अधिग्रहण होने के बाद नये और अधिक लाभकारी व्यवसायों से जोड़ने के लिए राज्य सरकार या पर्यटन विभाग को कदम उठाने चाहिए।
2. प्रभावित लोगों को पर्यटन स्थलों पर व्यवस्थापन स्थापित करने के लिए आवश्यक स्थान, लाइसेंस, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराये जा सकते हैं। इससे न केवल उनके आय में वृद्धि होगी और क्षेत्र का विकास होगा, बल्कि पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा।
3. पर्यटन विभाग को प्रभावित ग्रामीणों को नये व्यवसायों के लिए उपयुक्त मार्गदर्शन देने, बाजार की योग्य समझने और आवश्यक सुविधायें उपलब्ध करने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

इस प्रकार यह एक पारस्परिक लाभ का अवसर हो सकता है, जहाँ ग्रामीण अपनी पारम्परिक आजीविका की जगह एक स्थिर और अधिक लाभकारी व्यवसाय से जुड़ सकते हैं।

दिल्ली श्रृंखला के किनारे पर्यटन मार्ग के निर्माण के बाद प्रभावित ग्रामीणों को व्यवस्थापन स्थापित करने के अवसर दिये जा सकते हैं। इसके क्रियान्वयन के लिए निम्न कदम उठाये जा सकते हैं:-

- i. स्थान का चयन- सबसे पहले श्रृंखला के किनारे ऐसे स्थानों को चिह्नित किया जाना चाहिए, जहाँ पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाया जा सके। इन स्थानों पर विभिन्न सामानों की दुकानें, कैफे, रेस्टोरेंट, हॉटील/गैर, सोबेनियर और पर्यटन से संबंधित व्यवसायों के लिए भूमि का चयन किया जाना चाहिए।
- ii. भूमि का अधिग्रहण- अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों को उनसे ली गई भूमि के आधार पर इन स्थानों पर दुकानें, स्थान आदि का अप्रेंटन किया जाना चाहिए ताकि वे अपने नये व्यवसाय शुरू करने के आय के नये स्रोत प्राप्त कर सकें।
- iii. लाइसेंस देना- प्रभावित ग्रामीणों को नव विकसित पर्यटन स्थलों पर व्यवसाय करके अपना जीविकोपार्जन करने के लिए समुचित स्थान आदि देने के अलावा नीकामन, यादव आदि के लाइसेंस आदि दिये जा सकते हैं।
- iv. ऋण सहायता- प्रभावित परिवारों को अपने व्यवसाय आरम्भ करने के लिए बैंकों या सरकारी योजनाओं से माध्यम से ऋण दिलाने में मदद की जा सकती है। इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाकर ऋण की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना जा सकता है।
- v. प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन- प्रभावित परिवारों के लिए नये व्यवसाय में प्रशिक्षण लाभकारी हो। इसके लिए उन्हें व्यवसायिक कौशल, ग्राहक सेवा, मार्केटिंग और वित्तीय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके साथ ही स्थानीय हस्तशिल्प से जुड़े लोगों, कलाकारों और उद्योगों पर आधारित उत्पादों को भी प्रोत्साहित की जा सकता है।

इस तरह अधिग्रहण से प्रभावित लोगों को पर्यटन स्थलों के विकास से लाभान्वित करने और उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए यह एक प्रभावी योजना सिद्ध हो सकती है।

अधिग्रहण से प्रभावित परिवारों के युवाओं और महिलाओं को जीविकन के वैकल्पिक साधन अपनाने का अवसर देने के लिए दौकिक/तकनीकी ट्रेनिंग देने की व्यवस्था की जाए ताकि नये नये कौशल और तकनीकी इन अर्जित करके वे रोजगार के नये अवसर प्राप्त कर सकें। इस तरह वे अपने जीवन काल के अवसरान्वित बन सकेंगे।

युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और जीवन स्तर में सुधार के लिए कुरीर उद्योग स्थापित करने और उत्पादों के विपणन के लिए समुचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। प्रशिक्षण देने के बाद महिलाओं की स्थानीय उपज और संसाधनों पर आधारित कुरीर उद्योग स्थापित करने में सहायता की जानी चाहिए। उन्हें दिख जसे बाजार प्रशिक्षण स्थानीय उत्पादों, क्षेत्रीय बाजार की मांग और उनकी योग्यता के आधार पर होना चाहिए ताकि वे उसमें दक्षता प्राप्त करके स्थानीय उत्पादों को बाजार की मांग से जोड़कर उनकी मार्केटिंग करने के साथ ही नये उत्पाद तैयार कर सकें और बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप स्तरीय सेवाएं उपलब्ध करा सकें।

इसके लिए उन्हें कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, स्टोरेज, नवीनतम कृषि तकनीकों, हस्त निर्मित हार्थ सौंदर्य प्रसाधन बनाने, पर्यटकों को आकर्षित करने वाले परम्परागत सूती व ऊनी वस्त्रों के निर्माण आदि के लिए साख्तोर से महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा सकता है। इसके साथ ही क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें होटल से संबंधित सेवाओं, पर्यटन गाइड, टैक्सी आदि से संबंधित प्रशिक्षण दिये जा सकते हैं। युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार कंप्यूटर, ग्राफिक्स डिजाइन, मोबाइल रिपैरिंग, वेब डेवलपमेंट, चर्चिंग आदि के प्रशिक्षण दिलाने जा सकते हैं।

अवस्थापना संबंधी प्रबंधन

1. पंचायतों की भूमि के अधिग्रहण वाले क्षेत्र में विकित्त, शिक्षा व सामुदायिक उपयोग के लिए भवन बनवाये जा सकते हैं।

2. जिन घरी या व्यवसायिक स्थलों के आसपास की भूमि का अधिग्रहण किए जाने के कारण भवनों के लिए भूखलन का खतरा पैदा हो गया है, वहां भूखलन रोकने के लिए पुनर्स्थापित व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि किसी ऐसे ग्रामीण के मकान, दुकान आदि क्षतिग्रस्त न हो जहाँ किसी कुछ जमीन का अधिग्रहण किया गया है या जिसके भवन के आसपास की भूमि का अधिग्रहण किया गया है।

सांस्कृतिक सम्पदा प्रबंधन-

भूमि का यह अधिग्रहण इस प्रकृति का नहीं है कि इसके लिए किसी गांव या समूह को दूसरे स्थान पर प्रवास के कारण सांस्कृतिक सम्पदा का सामना करना पड़े। किसी प्रभावित परिवार को अपने गांव और क्षेत्र से दूर नये लोगों के बीच नहीं जाना पड़ेगा और न ही उन्हें नई संस्कृति को जानने समझने की आवश्यकता होगी। इसलिए सांस्कृतिक सम्पदा से यह अधिग्रहण अप्रभावी है।

विस्थापन व पुनर्वास

जब डोंबरा मोटर मार्ग के लिए किसी ग्रामीण का विस्थापन या पुनर्वास नहीं किया जाना है। लेकिन जिन ग्रामीणों के घरी के आसपास अधिग्रहण के कारण भूखलन या भूस्खलन का खतरा पैदा हो गया है, वहां खतरे का आकलन करके सुरक्षात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए।

अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़े वर्ग के लिए विशेष प्रबंध

अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के लोगों को जीविकोपार्जन की व्यवस्था करने के लिए पर्यटन स्थलों के आसपास स्थान/भूमि उपलब्ध कराना या उच्च दर पर नियन्त्रित मुआवजा देने के साथ ही कुटीर उद्योग आदि के लिए प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। विकसित किए जाने वाले पर्यटन स्थलों पर इन्हें प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्थापन का अवसर देकर इनकी आर्थिक सुधारने के साथ ही जीवन स्तर में सुधारक परिवर्तन किया जा सकता है।

पारिस्थितिकीय प्रबंधन

1. जब - डोंबरा मोटर मार्ग बनने से पर्यावरण पर होने वाले संभावित को समाप्त या न्यूनतम करने के लिए क्षेत्र के स्थानीय प्रजातियों के ऐसे पौधे, कटे जाने वाले वृक्षों से कम से कम दोगुनी संख्या में लगाये जायें जिनसे ग्रामीणों को वारा, गूदा, वातावरण और अन्य लाभ स्थानीय रूप से मिल सकें। ऐसे वृक्षों को पूरे गांव के उपयोग के लिए ग्राम पंचायतों के अधिकार में दे दिया जाये।
2. पारिस्थितिकीय तंत्र को सुरक्षा के लिए छोटे कप जीवों और पक्षियों के लिए विभिन्न प्रजातियों के ऐसे पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना चाहिए ताकि वे विस्तृत वृक्ष बन सकें।
3. पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने वाले स्थानों पर स्थानीय वनवापु के अनुरूप जड़ी बूटियों की नर्सरी और उद्यान बनाने जाने चाहिए, इससे पारिस्थितिकीय तंत्र भी सुरक्षित रहेगा और पर्यटन की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं।

अन्य समाघात प्रबंधन

- प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों के लिए अल्पताओं का निर्माण और स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढीकरण करके ग्रामीणों के स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है। इससे न केवल ग्रामीणों का स्वास्थ्य बेहतर रखने समय पर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने में मदद मिलेगी, बल्कि इसका लाभ पर्यटकों को भी मिलेगा। अल्पताओं के निर्माण के साथ ही स्वास्थ्य शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाकर भी इस दिशा में सकारात्मक बदलाव लाये जा सकते हैं। इस तरह लोगों को स्वास्थ्य संसाधन से बचाने के लिए सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया जाना चाहिए।
- नये मोटर मार्ग का निर्माण होने पर वहां टोल टेक्स लगाये जाने की स्थिति में उस मार्ग पर उपयोग करने वाले स्थानीय लोगों पर अर्थिक दबाव आ सकता है। नये मार्ग पर किसी तरह का टोल लगने की स्थिति में प्रभावित परिवारों को उससे स्थानीय तौर पर मुक्त रखने की व्यवस्था करके उन्हें ऐसे आर्थिक दबाव से मुक्त रखा जा सकता है।

यह प्रस्तावित सड़क निर्माण परियोजना क्षेत्र में पर्यावरण को बहुत सुविधाजनक, सुरक्षित और निरापद बनाने के साथ ही क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाने वाली योजना है। इसका लाभ अधिग्रहण से प्रभावित होने वाले लोगों के साथ ही अन्य ग्रामीणों और सैलानियों को भी मिलेगा। ग्रामीणों के लिए अपनी उपज बाजारों तक ले जाना आसान हो जायेगा, तहसील, जिला और राज्य मुख्यालय तक उनकी पहुँच सुगम हो जायेगी और भूखलनों से पराधात में होने वाली अड़चनों से एक बड़ी सीमा तक बचाव होगा। अपनी इन विशेषताओं के कारण इस मोटर मार्ग का निर्माण प्रभावित गाँवों के विकास की एक महत्वपूर्ण परियोजना सिद्ध हो सकता है।

सामाजिक समाघात प्रबंधन योजना (एसओआईएनपीओ) रिपोर्ट का कार्यकारी सार की प्रति अवलोकनार्थ कार्यालय जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल, तथा जिलाधिकारी टिहरी, जण्ड विकास अधिकारी चम्पा, को भेजी जाय। इसके साथ ही सामाजिक समाघात प्रबंधन योजना (एसओआईएनपीओ) रिपोर्ट का सार एनओआईसीओ की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाय।

सामाजिक समाघात प्रबंधन योजना (एसओआईएनपीओ) रिपोर्ट का कार्यकारी सार का अवलोकन टिहरीट व्यक्तियों द्वारा उक्त उक्तानुसार कार्यालय में किया जा सकता है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
9	23	224		0.009	ગુજરાતના મુખ્ય સચિવશ્રી, જનકીરામભાઈ મુખ્ય સચિવશ્રી, દર્શનભાઈ મુખ્ય સચિવશ્રી, મુ. જાલમ દેવી દાયકીરામશ્રી ગચ્છરાવ, શામરાવ મુખ્ય મુશીરાવ, રમેશ મુખ્ય આશાભાઈ, વિનેશ મુખ્ય આશાભાઈ, સુરેશ મુખ્ય આશાભાઈ, રમેશ મુખ્ય આશાભાઈ, વિનેશ મુખ્ય શિવભાઈ, મુરલિભાઈ મુખ્ય શિવભાઈ, મહેશભાઈ મોહન ભાઈ સમરેશ મુખ્ય શિવભાઈ, શશિમુખ મુખ્ય દશમભાઈ, ભાવેશભાઈ પ્રભાઈ મુખ્ય દશમભાઈ, ભાઈ ભાઈ મુખ્ય દશમભાઈ, મુશીરાભાઈ ભાઈ દશમભાઈ, વિનેશ મુખ્ય શામરાવ, રમેશ મુખ્ય શામરાવ, ભાઈ દેવી ભાઈ શામરાવ						
				0.009	સેવક	0	0	0	0		
10	24	208		0.020	ગુજરાતના મુખ્ય સચિવશ્રી, જનકીરામભાઈ મુખ્ય સચિવશ્રી, દર્શનભાઈ મુખ્ય સચિવશ્રી, મુ. જાલમ દેવી દાયકીરામશ્રી ગચ્છરાવ, શામરાવ મુખ્ય મુશીરાવ, રમેશ મુખ્ય આશાભાઈ, વિનેશ મુખ્ય આશાભાઈ, સુરેશ મુખ્ય આશાભાઈ, રમેશ મુખ્ય આશાભાઈ, વિનેશ મુખ્ય શિવભાઈ, મુરલિભાઈ મુખ્ય શિવભાઈ, મહેશભાઈ મોહન ભાઈ સમરેશ મુખ્ય શિવભાઈ, શશિમુખ મુખ્ય દશમભાઈ, ભાવેશભાઈ પ્રભાઈ મુખ્ય દશમભાઈ, ભાઈ ભાઈ મુખ્ય દશમભાઈ, મુશીરાભાઈ ભાઈ દશમભાઈ, વિનેશ મુખ્ય શામરાવ, રમેશ મુખ્ય શામરાવ, ભાઈ દેવી ભાઈ શામરાવ						
		481		0.008							
				0.028	સેવક	0	0	2	2		
11	25	1870	વર્ગ-1ક	0.015	મુખ્ય સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, સોની દેવી ભાઈ શામરાવ સિદ્ધિ, શામરાવ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, દેવકી મુખ્ય શામરાવ સિદ્ધિ, શામરાવભાઈ ભાઈ શામરાવ સિદ્ધિ, રમેશ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મહેશ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મુરલિ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મહેશ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મુરલિ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, સોની દેવી ભાઈ શેર સિદ્ધિ, શામરાવ સિદ્ધિ મુખ્ય શામરાવ સિદ્ધિ, રમેશ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મહેશ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મુરલિ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મહેશ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મુરલિ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, સોની દેવી ભાઈ શેર સિદ્ધિ						
		1903 ડ		0.008			2	1	3		
		1904 ડ		0.014							
		1905		0.038							
		1907 મ		0.005							
		1908		0.004							
				0.084	સેવક	0	2	1	3		
12	26	1907 ડ	વર્ગ-1ક	0.004	મુખ્ય સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, સોની દેવી ભાઈ શામરાવ સિદ્ધિ, શામરાવ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ						
		1908		0.005							
				0.009	સેવક	0	0	0	0		
13	28	182	વર્ગ-1ક	0.005	મુખ્ય સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ						
				0.005	સેવક	0	0	0	0		
14	30	1905	વર્ગ-1ક	0.015	મુખ્ય સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મહેશ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, દેવકી દેવી ભાઈ શામરાવ સિદ્ધિ, મુશીરા મુખ્ય મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મુશીરા મુખ્ય મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મુશીરા મુખ્ય મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ						
				0.015	સેવક	0	0	0	0		
15	31	482	વર્ગ-1ક	0.015	મહેશ દાસ મુખ્ય શિવભાઈ						
		483		0.010							
				0.025	સેવક	0	0	0	0		
16	41	456		0.008	મુખ્ય સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મહેશ સિદ્ધિ મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ, મહેશ મુખ્ય મુખ્ય મુખ્ય સિદ્ધિ						
				0.008	સેવક	0	0	0	0		

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
		127		0.003							
		250		0.048							
		2302		0.008							
				0.168	સેવ	0	0	5	3		
6	9	1857	ગા. 13	0.097	નસ ફેરુ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		1858		0.11	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		453		0.0	વાન નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી		2	4	4		
		1880		0.039	વેલ પુર લોકાદી						
				0.11	સેવ	0	2	2	4		
62	103	122	ગા. 13	0.004	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		118		0.0	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		19		0.040	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		120		0.003	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		1255		0.0	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		2374		0.005	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		732		0.0	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		790		0.0	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		79		0.0	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		1122		0.00	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		2372		0.056	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
				0.131	સેવ	0	0	0	0		
63	108	2588	ગા. 13	0.0	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
		2623		0.060	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
				0.10	સેવ	0	0	0	0		
64	9	1044	ગા. 13	0.024	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
				0.024	સેવ	0	0	0	0		
				0.010	સેવ	0	0	0	0		
				0.002	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
				0.002	સેવ	0	0	0	0		
65	2	360	ગા. 13	0.002	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
				0.00	સેવ	0	0	0	0		
66	3	360	ગા. 13	0.009	વેલ નિન 3 વાન મેલ પુર લોકાદી હાટ મેલ પુર લોકાદી						
				0.009	સેવ	0	0	0	0		
				0.009	સેવ	0	0	0	0		
				0.00	સેવ	0	0	0	0		
				0.009	સેવ	0	0	0	0		
				0.014	સેવ	0	0	0	0		
				0.0	સેવ	0	0	0	0		
				0.007	સેવ	0	0	0	0		
				0.013	સેવ	0	0	0	0		

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-12 में यथा उल्लिखित एवं निर्दिष्ट विशेष भूमि कव्यापि अधिकारी, टिहरी गढ़वाल और उनके कर्मचारियों को भूमि में प्रवेश करने और उसका सम्बन्ध करने, किसी भी भूमि के स्तर लेने, अवरोध में खुदाई करने या रोधन करने और अपने कार्य के लिये निष्पादन के लिए अपेक्षित सभी अन्य कार्य करने को लिये प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा-11 (d) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संयन्त्रण नहीं करेगा या कोई भी संयन्त्रण नहीं होने देगा अर्थात्, कृषि/विक्रय, आदि नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई भी विस्तरण स्थापित नहीं करेगा।

अधिनियम की धारा-15 में उद्घोषित यथा उल्लिखित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 (साठ) दिनों के भीतर किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर को सन्तुष्ट अहोप, यदि कोई हो, फाइल किया जा सकेगा।

स्थान :- नई टिहरी।

दिनांक :- 31.12.2024

(हो अस्पष्ट)
समुचित सरकार/कलेक्टर,
टिहरी गढ़वाल।

डॉ० विजय कुमार जोगदाण्डे,
अपर सचिव।